

श्रेयस योजना

प्रलिस के लिये:

श्रेयस, अनुसूचित जाति के लिये राष्ट्रीय प्रवासी योजना, [अनुसूचित जाति](#)

मेन्स के लिये:

भारत में शैक्षिक असमानताओं को कम करने में वित्तीय सहायता और छात्रवृत्ति की भूमिका

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यों?

युवा अचीवर्स हेतु उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति योजना (Scholarships for Higher Education for Young Achievers Scheme - SHREYAS) भारत में [अनुसूचित जाति](#) (SC) और [अन्य पछिड़ा वर्ग](#) (OBC) के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने की दृष्टि से भारत द्वारा किये गये के प्रयासों को प्रतिलिखित करती रही है।

श्रेयस योजना:

परिचय:

- यह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत एक व्यापक योजना है।
- इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तक पहुँच प्रदान करने के लिये फेलोशिप (वित्तीय सहायता) और वदेश में पढ़ाई के लिये शैक्षिक ऋण पर ब्याज सब्सिडी प्रदान करके अन्य पछिड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से पछिड़े वर्ग (EBC) के छात्रों का शैक्षिक सशक्तीकरण करना है।

उप-योजनाएँ:

- "श्रेयस" की अम्बरेला योजना में 4 केंद्रीय क्षेत्र की उप-योजनाएँ शामिल हैं।
 - अनुसूचित जाति और अन्य पछिड़ा वर्ग के लिये निःशुल्क कोचिंग योजना:
 - उद्देश्य:
 - प्रतिसिपर्द्धी परीक्षाओं और तकनीकी तथा व्यावसायिक संस्थानों में नामांकन के लिये आर्थिक रूप से वंचित अनुसूचित जाति व अन्य पछिड़ा वर्ग को उच्च गुणवत्ता की कोचिंग प्रदान करना।
 - आय सीमा: योजना के तहत पारिवारिक आय 8 लाख प्रतिवर्ष तय की गई है।
 - स्लॉट आवंटन: इसके लिए सालाना 3500 स्लॉट आवंटित किये जाते हैं।
 - लिंग समावेशिता: दोनों श्रेणियों में महिलाओं के लिये 30% स्लॉट आरक्षणित हैं।
 - आवंटन अनुपात: SC: OBC अनुपात 70:30 है, जो समान पहुँच सुनिश्चित करता है।
 - परिणाम: वर्ष 2014-15 से वर्ष 2022-23 तक 19,995 लाभार्थियों को इसका लाभ मिला है।

अनुसूचित जाति (SC) के लिये सर्वोत्तम शिक्षा:

- उद्देश्य: 12वीं कक्षा से आगे की पढ़ाई को कवर करते हुए, SC के छात्रों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को पहचानना और बढ़ावा देना।
- आय सीमा: पारिवारिक आय सीमा 8 लाख प्रतिवर्ष निर्धारित है।
- कवरेज: 266 उच्च शिक्षा संस्थान, जिनमें IIM, IIT और NIT जैसे प्रतष्ठित संस्थान शामिल हैं।
- छात्रवृत्ति: योजना के तहत शैक्षणिक शुल्क, वापस न किये जाने वाले शुल्क (Non-refundable charges), शैक्षणिक भत्ता और अन्य खर्च प्रदान किये जाते हैं।
- परिणाम:
 - वर्ष 2014-15 से वर्ष 2022-23 तक 21,988 लाभार्थी इससे लाभान्वित हुए हैं।

अनुसूचित जाति के लिये राष्ट्रीय प्रवासी योजना:

- उद्देश्य: अनुसूचित जाति के लिये राष्ट्रीय प्रवासी योजना के तहत, अनुसूचित जाति के चयनित छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की

जाती है तथा गैर-अधसूचिता, घुमंतू एवं अर्द्ध-घुमंतू जनजातियों, भूमिहीन खेतहिर मज़दूरों व पारंपरिक कारीगर श्रेणी को वदिश में स्नातकोत्तर और पीएच.डी. स्तर के पाठ्यक्रम करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

- **पात्रता:** एक छात्र के परिवार की कुल आय 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष से कम होनी चाहिये, जिनके पास पात्रता परीक्षा में 60% से अधिक अंक प्राप्त किये हो, उम्र 35 वर्ष से कम हो और जिनहोंने शीर्ष 500 QS रैंकिंग वाले वदिशी संस्थानों/वशिवदियालयों में प्रवेश लिया हो।
- **छात्रवृत्ति:** योजना से लाभ प्राप्त लाभार्थियों को कुल शक्तिषण शुल्क, रखरखाव और आकस्मकिता भत्ता, वीजा शुल्क, आने-जाने का हवाई मार्ग करिया आदि प्रदान किया जाता है।
- **परिणाम:** वर्ष 2014-15 से वर्ष 2022-23 तक 950 वदियार्थियों को इसका लाभ मिला है।

■ **अनुसूचिता जातिके छात्रों के लिये राष्ट्रीय फेलोशिप:**

- **उद्देश्य:** यह फेलोशिप [वशिवदियालय अनुदान आयोग \(UGC\)](#) द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय वशिवदियालयों/संस्थानों/कॉलेजों में वजिज्ञान, मानवकिी और सामाजकि वजिज्ञान में एम.फलि/पीएच.डी. डगिरी करने वाले अनुसूचिता जातिके छात्रों को सहायता प्रदान करती है।
- **पात्रता:** वे उम्मीदवार जनिहोंने **राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET-JRF)** या वजिज्ञान स्ट्रीम में जूनियर रसिर्च फेलो के लिये UGC-काउंसलि ऑफ साइंटिफिकि एंड इंडस्ट्रियल रसिर्च (UGC-CSIR) संयुक्त परीक्षा उत्तीर्ण की है।
- **आवंटन:** यह योजना प्रतिवर्ष 2000 नए स्लॉट (वजिज्ञान स्ट्रीम के लिये 500 और मानवकिी व सामाजकि वजिज्ञान के लिये 1500) प्रदान करती है।

भारत में अन्य शक्तिषा योजनाएँ:

- [प्रौद्योगकिी संवर्धति शक्तिषण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम](#)
- [बेटी बचाओ बेटी पढाओ](#)
- [प्रधानमंतरी शरी \(SHRI\) स्कूल](#)
- [राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति \(NMMS\)](#)
- [स्वच्छ वदियालय अभियान](#)
- [एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????????

प्रश्न. भारतीय संवधिान के नमिनलखिति में से कौन-से प्रावधान शक्तिषा पर प्रभाव डालते हैं? (2012)

1. राज्य की नीति के नदिशक तत्त्व
2. ग्रामीण और शहरी स्थानीय नकियाय
3. पंचम अनुसूची
4. षष्ठ अनुसूची
5. सप्तम अनुसूची

नमिनलखिति कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3, 4 और 5
- (c) केवल 1, 2 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. भारत की डजिटिल इंडिया में डजिटिल पहल ने कसि प्रकार से देश की शक्तिषा व्यवस्था के संचालन में योगदान किया है? वसित्त उत्तर दीजयि। (2021)

प्रश्न. जनसंख्या शक्तिषा के मुख्य उद्देश्यों की वविचना करते हुए भारत में इन्हें प्राप्त करने के उपायों पर वसित्त प्रकाश डालयि। (2021)

